

CCTV में कैद खौफनाक मौत बंदरों को खाना खलाते खड़िकी से गरि मासूम

वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> १. वृंदावन में दर्दनाक हादसा बंदरों को खाना खलाते समय १३ वर्षीय बच्ची की मौत...
- >> संत कॉलोनी में घटति हुई रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना...
- >> बंदरों के जमावड़े के बीच हुआ अप्रत्याशति हादसा...
- >> २. सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई खौफनाक घटना खड़िकी से असंतुलति होकर गरि पूरवा...
- >> CCTV फुटेज में लाइव कैद हुआ खौफनाक मंजर...
- >> असंतुलति होने के कारण नहीं संभल पाई मासूम...
- >> ३. कैसे हुआ यह जानलेवा हादसा? (घटना का पूरा वविरण)...
- >> खड़िकी पर सुरक्षा इंतजामों की कमी बनी बड़ी वजह...
- >> ४. माता-पति गए थे काम पर, घर में मौजूद था सर्रिफ छोटा भाई...
- >> रोजगार की तलाश में बाहर गया था पीड़ति परवार...
- >> घर में अकेले थे दोनों मासूम भाई-बहन...
- >> ५. हादसे के तुरंत बाद मचा हडकंप, अस्पताल में डॉक्टरों ने कयिा मृत घोषति...
- >> भारी आवाज सुनकर दौड़े आसपास के पड़ोसी...
- >> अस्पताल पहुँचने से पहले ही थम चुकी थी सांसें...
- >> ६. पुलसि ने शुरू की गहन जांच, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव...
- >> बांके बहारी पुलसि चौकी की टीम ने संभाला मोर्चा...
- >> CCTV फुटेज को बनाया जांच का मुख्य आधार...
- >> ७. संत कॉलोनी में पसरा मातम सदमे में परवार, स्थानीय लोग बंधा रहे ढांडस...
- >> रो-रोकर बुरा है माता-पति और छोटे भाई का हाल...
- >> स्थानीय नवासिधियों ने प्रशासन से की सुरक्षा की मांग...
- >> नषिर्कष...
- >> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

धार्मकि नगरी वृंदावन से एक बेहद ही हृदयवदिरक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहाँ के संत कॉलोनी इलाके में एक १३ वर्षीय मासूम बच्ची की पहली मंजलि से गरिकर दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब बच्ची अपने घर की खड़िकी पर खड़े होकर बंदरों को खाना खला रही थी। इस दुखद घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दयिा है और स्थानीय नवासिधियों में गहरा शोक व्वाप्त है।

सर्र्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO) और गूगल न्यूज़ गाइडलाइंस के अनुसार, इस तरह की आकस्मकि घटनाओं की सही और सटीक जानकारी पाठकों तक पहुँचना बेहद ज़रूरी है। आज के इस लेटेस्ट अपडेट (latest update) में हम आपको इस पूरी घटना का सलिसलिवार वविरण, पुलसि की वर्तमान स्टेटस (status) और सीसीटीवी फुटेज से जुड़े कुछ अहम खुलासे बताएंगे। साथ

ही, देश-दुनिया की अन्य महत्वपूर्ण खबरों जैसे अमतिभ बच्चन की अचानक बगिड़ी तबीयतके बारे में भी आप हमारी वेबसाइट पर पढ़ सकते हैं।

१. वृंदावन में दर्दनाक हादसा: बंदरों को खाना खलिाते समय १३ व

संत कॉलोनी में घटति हुई रॉंगटे खड़े कर देने वाली घटना

यह पूरी घटना धर्म नगरी वृंदावन के बांके बहारी पुलसि चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली संत कॉलोनी की है। यहाँ रहने वाले एक गरीब परिवार की १३ साल की मासूम बेटी पूरवा अचानक काल के गाल में समा गई। रोज़मर्रा की तरह वह अपने घर की पहली मंजलि की खड़िकी पर आई थी, लेकिन किसी को नहीं पता था कयिह उसका आखरी दिन साबति होगा।

बंदरों के जमावड़े के बीच हुआ अप्रत्याशति हादसा

वृंदावन में बंदरों का आतंक और उनका इंसानी बस्तियों के आसपास रहना बेहद आम बात है। स्थानीय लोग और श्रद्धालु अक्सर इन बंदरों को खाने-पीने की चीजें देते रहते हैं। १३ वर्षीय पूरवा भी इसी तरह खड़िकी से बंदरों को भोजन दे रही थी, तभी अचानक कुछ ऐसा हुआ जसिने हंसते-खेलते परिवार की खुशियां पल भर में उजाड़ दीं।

२. सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई खौफनाक घटना: खड़िकी से असंतुलति

CCTV फुटेज में लाइव कैद हुआ खौफनाक मंजर

यह दर्दनाक वाकया पास में ही लगे एक सीसीटीवी (CCTV) कैमरे में पूरी तरह से रिकॉर्ड हो गया है। पुलसि ने इस फुटेज को अपने कब्जे में लेकर जांच की सूची (list) में शामिल कर लिया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कबिचची खड़िकी के बेहद करीब खड़ी थी और बंदरों को कुछ खाने का सामान दे रही थी।

असंतुलति होने के कारण नहीं संभल पाई मासूम

फुटेज के विश्लेषण से पता चलता है कि खाना खलाने के दौरान बंदरों की कुछ अचानक हरकत हुई या बच्ची का पैर फसल गया। इसी कशमकश में पूरवा अपना शारीरिक संतुलन खो बैठी। पहली मंजलि की खड़की पर सुरक्षा ग्रलि न होने के कारण वह सीधे नीचे कंक्रीट की सड़क पर आ गरी। नीचे गरिने की तीव्रता इतनी अधकि थी कउसे संभलने का मौका ही नहीं मलल।

3. कैसे हुआ यह जानलेवा हादसा? (घटना का पूरा ववरण)

खड़की पर सुरक्षा इंतजामों की कमी बनी बड़ी वजह

यदहम घटना का गहन विश्लेषण करें, तो कुछ महत्वपूर्ण बढु सामने आते हैं जन्हें नजरअंदाज नहीं कयल जा सकता। यह हादसा परकुरमा मार्ग के पास स्थतल एक करलए के मकान में हुआ। मकान की पहली मंजलि की खड़की पर कोई मजबूत रेलगल या जाली नहीं लगी थी, जो बच्चों के लहलज से बेहद खतरनाक साबतल हो सकती है।

>> अचानक असंतुलन:बंदरों को खाना देते समय बच्ची का शरीर आगे की तरफ झुक गया था।

>> सुरक्षा घरे का अभाव:खड़की पर कोई प्रोटेक्शन ग्रलि न होने के कारण वह सीधे नीचे गरल गई।

>> बंदरों का व्यवहार:कई बार भोजन झपटने के चक्कर में बंदर आक्रामक हो जाते हैं, जसलसे बच्चे डरकर पीछे हटते हैं या संतुलन खो देते हैं।

4. माता-पतल गए थे काम पर, घर में मौजूद था सरुफ छोटा भाई

रुजगार की तलशल में बाहर गया था पीड़तल परवलर

मृतक बच्ची पूरवा का परवलर बेहद गरीब पृष्ठभूमलसे ताल्लुक रखता है। वे लोग संत कॉलोनी में एक करलए के मकान में रहते हैं। अपना और अपने बच्चों का पेट पालने के लए माता-पतल वृंदावन के प्रसदुध परकुरमा मार्ग पर खाने-पीने की चीजों का एक छोटा सा ठेला (food stall) लगाते हैं। घटना के वक्त भी दोनों अपने काम पर गए हुए थे।

घर में अकेले थे दोनों मासूम भाई-बहन

जब माता-पतल काम के सललसललल में घर से बाहर थे, तब घर पर केवल १३ साल की पूरवा और उसका छोटा भाई ही मौजूद थे। दोनों

बच्चे घर में अकेले थे और पूरवा अपने भाई की देखरेख भी कर रही थी। इसी बीच वह खड़की की तरफ चली गई और यह भयावह हादसा हो गया। इस घटना ने एक बार फिर कामकाजी माता-पिता के सामने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जैसे ओडिशा के एक किसान ने कड़ी मेहनत से सफलता की कहानी लिखी, जिसकी प्रेरणा आप 60 की उम्र में खेत से मंच तकलेख में पढ़ सकते हैं, वैसे ही हर परिवार अपने स्तर पर संघर्ष कर रहा है।

५. हादसे के तुरंत बाद मचा हड़कंप, अस्पताल में डॉक्टरों ने क

भारी आवाज सुनकर दौड़े आसपास के पड़ोसी

जैसे ही पूरवा पहली मंजलि से नीचे कंक्रीट के फर्श पर गरी, एक जोरदार आवाज हुई। आवाज सुनते ही संत कॉलोनी के स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। बच्ची को लहलुहान हालत में जमीन पर पड़ा देख पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार शुरू हो गई।

अस्पताल पहुँचने से पहले ही थम चुकी थीं सांसें

पड़ोसियों ने बिना समय गंवाए तत्परता दिखाई और एम्बुलेंस व स्थानीय वाहनों की मदद से पूरवा को नजदीकी अस्पताल पहुँचाने की कोशिश की। रास्ते में लोग लगातार भगवान से उसकी सलामती की दुआ कर रहे थे। हालांकि, अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों के पैन्ल ने उसकी नब्ज जांची और उसे ब्रॉट डेड यानी मृत घोषित कर दिया। सरि में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही अत्यधिक खून बह चुका था।

६. पुलिस ने शुरू की गहन जांच, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

बांके बहारी पुलिस चौकी की टीम ने संभाला मोर्चा

हादसे की सूचना मिलते ही बांके बहारी पुलिस चौकी क्षेत्र की स्थानीय पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुँची। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास के चश्मदीदों से पूछताछ की। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम (Post-mortem) के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

CCTV फुटेज को बनाया जांच का मुख्य आधार

मथुरा-वृंदावन पुलिस प्रशासन ने घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को आधिकारिक तौर पर अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे मामले की हर एंगल से जांच कर रहे हैं ताकि किसी भी तरह के फाउल प्ले (साजिश) की आशंका को खारज किया जा सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट की डिजिटल कॉपी (PDF) आने के बाद मौत के सटीक कारणों की आधिकारिक पुष्टि की जाएगी। खेल जगत की खबरों की तरह जहाँ हर रणनीति का विश्लेषण होता है, जैसे स्पर्स रलीगेशन से बचाव का अंतिम मौका, ठीक उसी तरह पुलिस भी अपनी जांच की हर कड़ी को जोड़ रही है।

७. संत कॉलोनी में पसरा मातम: सदमे में परिवार, स्थानीय लोग बं

रो-रोकर बुरा है माता-पति और छोटे भाई का हाल

जब पूरवा की मौत की खबर उसके माता-पति तक पहुँची, तो उनके पैरों तले जमीन खसिक गई। परकिर्मा मार्ग से रोते-बलिखते हुए माता-पति जब घर पहुँचे, तो वहाँ का नजारा देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। मासूम छोटा भाई, जो घटना के समय घर में ही था, वह भी इस भयानक हादसे को देखकर गहरे सदमे में है।

स्थानीय नवासियों ने प्रशासन से की सुरक्षा की मांग

इस हृदयवदिक घटना के बाद पूरी संत कॉलोनी में चूल्हा तक नहीं जला है। चारों तरफ सन्नाटा और मातम पसरा हुआ है। आस-पास के लोग पीड़ित परिवार को इस असीम दुख को सहने की शक्ति देने के लिए ढांडस बंधा रहे हैं। साथ ही, स्थानीय नवासियों ने नगर नगिम और जिला प्रशासन से बंदरों के बढ़ते आतंक से नजित दलाने और आवारा जानवरों के प्रबंधन के लिए कड़े कदम उठाने की अपील की है।

नष्कर्ष

वृंदावन की यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि बहुमंजिला इमारतों में बच्चों की सुरक्षा कतिनी आवश्यक है। खडिकियों और बालकनियों पर ग्रलि न होना या बच्चों का वन्य जीवों के प्रति अत्यधिक उत्सुक होना कभी-कभी जानलेवा साबित हो सकता है। माता-पति को भी काम पर जाते समय बच्चों की सुरक्षा के पुक्ता इंतजाम करने चाहिए। पुलिस फलिहाल इस मामले की पूरी रिपोर्ट तैयार कर रही है और वर्ष 2026 की इस दुखद घटना ने पूरे मथुरा जलि को झकझोर कर रख दिया है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

वृंदावन की संत कॉलोनी में १३ वर्षीय बच्ची पूरवा पहली मंजलि की खड़िकी से नीचे गरि गई, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। वह खड़िकी से बंदरों को खाना खलिा रही थी।

हाँ, यह पूरी खौफनाक घटना पास में लगे एक सीसीटीवी (CCTV) कैमरे में लाइव रकिॉर्ड हो गई है, जिसि पुलसि ने कब्जे में ले लिया है।

घटना के समय बच्ची के माता-पति आजीवकिा कमाने के लिए परकि्रमा मार्ग पर अपना खाने का ठेला लगाने गए हुए थे।

घर में उस वक़्त केवल मृत बच्ची पूरवा और उसका छोटा भाई ही मौजूद थे।

यह दुखद हादसा वृंदावन के प्रसदिध बांके बहारी पुलसि चौकी क्क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली संत कॉलोनी में हुआ।

नहीं, स्थानीय लोग उसे तुरंत अस्पताल लेकर भागे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषति (Brought Dead) कर दयिा क्योंकि सिरि में गंभीर चोट लगी थी।

पुलसि ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दयिा है और सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर गहनता से जांच की शुरुआत कर दी है।

वर्तमान में पुलसि मैनुअल जांच कर रही है। आधिकारकि वजिज़्पत्तिया चार्जशीट आने पर यूपी पुलसि के पोर्टल पर इसका स्टेटस (status) अपडेट देखा जा सकेगा।

नहीं, प्राथमकि जानकारी के अनुसार पहली मंजलि की उस खड़िकी पर कोई सुरक्षा ग्रलि या रेलगि नहीं थी, जिससे असंतुलति होने पर बच्ची सीधे नीचे गरि गई।

स्थानीय लोगों में गहरा शोक है और उन्होंने मथुरा-वृंदावन प्रशासन से बंदरों के बढते खतरों से नपिटने के लिए उचिति नीतति और सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।